

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या-1032  
उत्तर दिनांक 13/02/2025 को दिया गया

**परमाणु ऊर्जा का विकास और लक्ष्य**

1032. # श्री संजय सिंह

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) क्या सरकार ने वर्ष 2030 तक परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 22 गीगावाट (जीडब्ल्यू) निर्धारित किया है, यदि हाँ, तो निर्धारित लक्ष्य के तहत अब तक निर्माणाधीन और चालू परमाणु संयंत्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान निर्माणाधीन परमाणु संयंत्रों की प्रगति के वर्षवार आंकड़े तथा उन परमाणु संयंत्रों की संख्या जिनका निर्माण अभी भी लंबित है, क्या हैं; और
- (ग) वर्तमान में परमाणु ऊर्जा उत्पादन में यूरेनियम और थोरियम का कितना प्रतिशत योगदान है, और पिछले पांच वर्षों में इसका वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) क्रियान्वयनाधीन परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर वर्ष 2031-32 तक 22.48 गीगावाट नाभिकीय विद्युत क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान स्थापित क्षमता 8.18 गीगावाट है और निर्माणाधीन 7.3 गीगावाट क्षमता (भाविनि द्वारा पीएफबीआर सहित) और पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन 7 गीगावाट क्षमता को मिलाकर 14.3 गीगावाट क्षमता क्रियान्वयनाधीन है। राज्य-वार विवरण अनुलग्नक ए में दिया गया है।
- (ख) वर्ष-वार प्रगति विवरण अनुलग्नक बी में दिया गया है। नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं में, संरचनात्मक कंक्रीट के प्रथम भराव (एफपीसी) करने से निर्माण का कार्य शुरू माना जाता है, और इससे पहले की गतिविधियों को पूर्व-परियोजना गतिविधियां माना जाता है। 10 रिएक्टरों (7 गीगावाट) के संबंध में, वर्तमान में पूर्व-परियोजना गतिविधियां चल रही हैं।
- (ग) वर्तमान में, देश के सभी वाणिज्यिक नाभिकीय विद्युत उत्पादन हेतु यूरेनियम आधारित ईंधन का उपयोग किया जा रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन का वर्षवार विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	नाभिकीय विद्युत वाणिज्यिक उत्पादन (मिलियन यूनिट में)
2019-20	46472
2020-21	43029
2021-22	47112
2022-23	45855
2023-24	47971

\*\*\*\*\*

प्रचालनरत रिेक्टर			
राज्य	स्थान	यूनिट	क्षमता (मेगावाट)
महाराष्ट्र	तारापुर	टीएपीएस-1 <sup>&amp;</sup>	160
		टीएपीएस-2 <sup>&amp;</sup>	160
		टीएपीएस-3	540
		टीएपीएस-4	540
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीएस-1 <sup>@</sup>	100
		आरएपीएस-2	200
		आरएपीएस-3	220
		आरएपीएस-4	220
		आरएपीएस-5	220
		आरएपीएस-6	220
तमिलनाडु	कल्पाक्कम	एमएपीएस-1 <sup>&amp;</sup>	220
		एमएपीएस-2	220
	कुडनकुलम	केकेएनपीपी-1	1000
		केकेएनपीपी-2	1000
उत्तर प्रदेश	नरौरा	एनएपीएस-1	220
		एनएपीएस-2	220
गुजरात	काकरापार	केएपीएस-1	220
		केएपीएस-2	220
		केएपीएस-3	700
		केएपीएस-4	700
कर्नाटक	कैगा	केजीएस-1	220
		केजीएस-2	220
		केजीएस-3	220
		केजीएस-4	220
योग			8180

<sup>&</sup> परियोजना मोड के अधीन

<sup>@</sup> विस्तारित शटडाउन के अधीन

निर्माण /कमीशनन अधीन परियोजनाएं			
राज्य	स्थल	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीपी-7* व 8	2 X 700
तमिलनाडु	कुडनकुलम	केकेएनपीपी-3 व 4	2 X 1000
		केकेएनपीपी-5 व 6	2 X 1000
	कल्पाक्कम	पीएफबीआर #	1 x 500
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-1 व 2	2 X 700
<b>योग</b>			<b>7300</b>
पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन परियोजनाएं			
कर्नाटक	कैगा	कैगा-5 व 6	2 X 700
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी -3 व 4	2 X 700
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका-1 व 2	2 X 700
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा-1 व 2	2 X 700
		माही बांसवाड़ा-3 व 4	2 X 700
<b>कुल</b>			<b>7000</b>

\* दिनांक 19.09.2024 को पहली क्रांतिकता प्राप्त की

अनुलग्नक-बी

इकाइयाँ/वर्ष	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
केएपीपी-3	निर्माण/कमीशनन के अधीन				वाणिज्यिक प्रचालन में
केएपीपी-4					
आरएपीपी-7	निर्माण/कमीशनन के अधीन				
आरएपीपी-8					
जीएचएवीपी-1	निर्माणाधीन				
जीएचएवीपी-2					
केकेएनपीपी-1	वाणिज्यिक प्रचालन में				
केकेएनपीपी-2					
केकेएनपीपी-3	निर्माणाधीन				
केकेएनपीपी-4					
केकेएनपीपी-5	-	-	निर्माणाधीन		
केकेएनपीपी-6	-	-			
पीएफबीआर	निर्माण/कमीशनन के अधीन				

**टिप्पणियाँ:**

केकेएनपीपी-1 ने दिनांक 31.12.2014 को वाणिज्यिक प्रचालन शुरू किया  
केकेएनपीपी-2 ने दिनांक 31.03.2017 को वाणिज्यिक प्रचालन शुरू किया  
केएपीपी-3 ने दिनांक 30.06.2023 को वाणिज्यिक प्रचालन शुरू किया  
केएपीपी-4 ने दिनांक 31.03.2024 को वाणिज्यिक प्रचालन शुरू किया

\*\*\*\*\*